प्रसार भारती

आकाशवाणी शिमला

01.03.2025/प्रादेशिक समाचार/9:20बजे

मौसम

प्रदेश में पिछले तीन दिन हुई भारी वर्षा व हिमपात के बाद आज दिन की शुरूआत अधिकतर जिलों में धूप के साथ हुई है। इस भारी बर्फबारी व वर्षा के चलते जनजातीय क्षेत्रों में जनजीवन अभी भी बुरी तरह प्रभावित है। विस्तृत ब्यौरा इस रिपोर्ट में।

डिस्पैच.....

प्रदेश में भारी बर्फबारी व वर्षा के बाद अभी भी कई जगहों पर जनजीवन पटरी पर नहीं लौटा है। बर्फबारी व भूस्खलन से राज्य में पांच राष्ट्रीय उच्च मार्गों सहित 580 से अधिक सड़कें यातायात के लिए बाधित हैं। इसके अलावा 2 हजार 2 सौ 63 बिजली के ट्रांस्फार्मर ठप हैं और 2 सौ 79 पानी की योजनाएं प्रभावित हुई हैं। चंबा जिला के जनजातीय क्षेत्र भरमौर की ग्राम पंचायत तुंदाह के बनाड़ नाला में बीती रात गलेशियर आने का समाचार है। हालांकि इस घटना में किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ है। कुल्लू जिला में पहनाला में बादल फटने से आए पानी के तेज बहाव के चलते दर्जनों वाहनों को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा लाहौल स्पीति, किन्नौर, पांगी, भरमौर और डोडरा क्वार का संपर्क शेष विश्व से कटा हुआ है। मौसम की स्थिति की देखते हुए किन्नौर और लाहौल स्पीति में आज सभी शिक्षण संस्थान बंद रहेंगे। इसके अलावा मनाली, बंजार व कुल्लू उपमंडल में भी शिक्षण संस्थानों में आज अवकाश रहेगा। हालांकि बोर्ड परीक्षाएं यथावत होंगी। इधर चंबा जिला के पांगी में भी आज शिक्षक संस्थान बंद रहेंगे। इस बीच प्रदेश में बंद पड़ी सड़कों को खोलने और बिजली व पेयजल व्यवस्था को सुचारू करने के लिए कार्य जारी है।

प्रादेशिक समाचार के लिए समाचार कक्ष से नुसरत अंजुम।

मौसम–2

दूसरी ओर इस व्यापक वर्षा के बाद प्रदेश में सूखे का दौर भी समाप्त हुआ है। राज्य के मैदानी क्षेत्रों में हुई अच्छी वर्षा से जहां किसान–बागवानों ने राहत की सांस ली है, वहीं नदी–नालों का जलस्तर भी बढ़ गया है। किसानों व बागवानों ने बताया कि ये वर्षा उनकी फसलों के लिए संजीवनी का काम करेगी और नदी–नालों में जलस्तर बढ़ने से आने वाले दिनों में पानी की किल्लत नहीं होगी।

मौसम विभाग ने आने वाले 24 घंटों के दौरान मौसम के साफ रहने की संभावना जताई है।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि राज्य सरकार लोगों को पारदर्शी शासन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। शिमला में अधिकारियों के साथ एक बैठक में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले दो वर्षों में इस दिशा में कई कदम उठाए हैं। प्रदेश में लम्बे समय से विभिन्न विभागों में संवेदनशील पदों पर आसीन अधिकारियों के तबादले की प्रक्रिया फिर शुरू हो गई है और मुख्यमंत्री ने विभागों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं।

पासपोर्ट नियम

केंद्र सरकार ने पासपोर्ट संबंधी नियमों में संशोधन किया है। नए नियमों के अनुसार 1 अक्टूबर 2023 या उसके बाद पैदा हुए पासपोर्ट आवेदकों के लिए उपयुक्त प्राधिकारियों द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र ही जन्म तिथि का एकमात्र प्रमाण होगा। पासपोर्ट नियम–1980 में संशोधन को जारी करने के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की गई है। नए नियमों के अनुसार जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिकारी, नगर निगमया जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के तहत किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र, 1 अक्टूबर 2023 को या उसके बाद पैदा हुए व्यक्तियों के लिए जन्म तिथि के प्रमाण के रूप में स्वीकार किए जाएंगे। अन्य आवेदक जन्म तिथि प्रमाण पत्र के रूप में ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र या विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र जैसे अन्य वैकल्पिक दस्तावेज जमा कर सकते हैं।

अब सुर्खियां समाचार पत्रों से

मौसम से जुड़ी खबर पर अमर उजाला की सुर्खी है हिमाचल में दो जगह बादल फटे, छह हिमखंड गिरे, भारी बारिश–बर्फबारी से एक की मौत, दो लापता। दिव्य हिमाचल के शब्द हैं बरोट में बादल फटा, कुल्लू–धर्मशाला में बाढ़, शेष दुनिया से कटे लाहुल–स्पीति और किन्नौर।

दैनिक जागरण की एक खबर है मंदिरों से पैसा मांगने पर घिरी सरकार।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के हवाले से दैनिक सवेरा टाइम्स लिखता है सूबे में बदले जाएंगे संवेदनशील पदों पर तैनात अफसर। आपका फैसला के अनुसार प्रदेश सरकार जनता को पारदर्शी शासन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध।

हिमाचल में ड्रग एडिक्ट व यूजर नहीं जाएंगे जेल शीर्षक से हिमाचल दस्तक लिखता है सरकार ला रही एंटी ड्रग एक्ट, विधानसभा में एनडीपीएस एक्ट में होगा संशोधन।